कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–अ (कोड–002)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'क' और 'ख'। खंड–क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड–ख में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं। जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क (बहुविकल्पी प्रश्न/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

ईर्ष्या में प्रयत्नोत्पादिनी शक्ति बहुत कम होती है। उसमें वह वेग नहीं होता जो क्रोध आदि में होता है क्योंकि आलस्य और नैराश्य के आश्रय से तो उसकी उत्पत्ति ही होती है। जब आलस्य और नैराश्य के कारण अपनी उन्नति के हेतु प्रयत्न करना तो दूर रहा, हम अपनी उन्नति का ध्यान तक अपने मन में नहीं ला सकते, तभी हम हारकर दूसरे की स्थिति की ओर बार–बार देखते हैं और सोचते हैं कि यदि उसकी स्थिति ऐसी न होती तो हमारी स्थिति जैसी है वैसी रहने पर भी बुरी न दिखाई देती। अपनी स्थिति को ज्यों–की–त्यों रख सापेक्षिकता द्वारा सन्तोष–लाभ करने का ढीला यत्न आलस्य और नैराश्य नहीं तो और क्या है? जो वस्तु उज्जवल नहीं है उसे मैली वस्तु के पास रखकर हम उसकी उज्जवलता से कब तक और कहाँ तक संतोष कर सकते हैं? जो अपनी उन्नति के प्रयत्न में बराबर लगा रहता है उसे न तो नैराश्य होता है और न हर घड़ी दूसरे की स्थिति से अपनी स्थिति के मिलान करते रहने की फुरसत। ईर्ष्या की सबसे अच्छी दवा है उद्योग और आशा। जिस वस्तु के लिए उद्योग और आशा निष्फल हो, उस पर से अपना ध्यान हटाकर दृष्टि की अनन्तता से लाभ उठाना चाहिए।

जिससे ईर्ष्या की जाती है उस पर उस ईर्ष्या का प्रभाव क्या पड़ता है यह भी देख लेना चाहिए। ईर्ष्या अप्रेष्य मनोविकार है। यह पहले ही कहा जा चुका है कि किसी मनुष्य को अपने से ईर्ष्या करते देख हम भी बदले में उससे ईर्ष्या नहीं करने लगते। दूसरे को ईर्ष्या करते देख हम उससे घृणा करते हैं। दूसरे की ईर्ष्या का फल भोग कर हम उस पर क्रोध करते हैं, जिसमें अधिक अनिष्टकारिणी शक्ति होती है। अतः ईर्ष्या ऐसी बुराई है, जिसका बदला यदि मिलता है तो कुछ अधिक ही मिलता है। इससे इस बात का आभास मिलता है कि प्रकृति के कानून में ईर्ष्या एक पाप या जुर्म है। अपराधी को भी केवल उतना ही कष्ट पहुँचाना सामाजिक न्याय नहीं है, अधिक कष्ट पहुँचाना न्याय है, क्योंकि निरपराध व्यक्ति की स्थिति को अपराधी की स्थिति से अच्छा दिखलाना न्याय का काम है।

(1) जो अपनी उन्नति के प्रयास में लगा रहता है, उसे
   (क) इतनी फुरसत नहीं रहती कि हर दम वह दूसरे की स्थिति से अपनी स्थिति की तुलना करता रहे।
   (ख) निराश होने का समय नहीं मिलता।
   (ग) क्रोध करने से बचे रहने का अवसर मिलता है।
   (घ) किसी से ईर्ष्या करने की जरूरत नहीं होती।

Continue on next page.....

(2) किसी को अपने से ईर्ष्या करते देख बदले में हम
(क) उससे ईर्ष्या करने लगते हैं।
(ख) उस पर क्रोध नहीं करते हैं।
(ग) उससे बदला लेने की भावना को जन्म देने लगते हैं।
(घ) उससे घृणा करने लगते हैं।

(3) ईर्ष्या का सबसे अच्छा उपचार है कि
(क) ईर्ष्यालु व्यक्ति से ईर्ष्या की जाए।
(ख) ईर्ष्यालु को दण्डित किया जाए।
(ग) आशापूर्ण ढंग से अपना उद्योग किया जाए।
(घ) ईर्ष्यालु को उसके हाल पर छोड़ दिया जाए।

(4) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार
(क) ईर्ष्या में क्रोध की तुलना में अधिक वेग होता है।
(ख) ईर्ष्या में क्रोध की तुलना में कम वेग होता है।
(ग) जो वेग क्रोध में होता है वह ईर्ष्या में नहीं होता।
(घ) क्रोध और ईर्ष्या में बराबर वेग होता है।

(5) प्रकृति के कानून में ईर्ष्या क्या है?
(क) एक पाप या जुर्म
(ख) एक पुण्य
(ग) एक सामान्य प्रवृत्ति
(घ) एक विपदा

2. **निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
कर रहा आराधना मैं आज तेरी,
एक विनती तो करो स्वीकार मेरी।
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी।
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण–क्षण समर्पित।
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
तोड़ता हूँ मोह का बंधन, क्षमा दो
गाँव मेरे, द्वार, घर, आँगन क्षमा दो
देश का जयगान अधरों पर सजा है
देश का ध्वज हाथ में केवल थमा दो।
ये सुमन लो, यह चमन लो,
नीड़ का तृण–तृण समर्पित।
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

Continue on next page.....

(1) कवि क्या–क्या समर्पित कर चुका है?
   (क) मन
   (ख) तन
   (ग) जीवन
   (घ) ये सभी चीज़ें

(2) कवि स्वयं को क्या मानता है?
   (क) धनी
   (ख) अकिंचन
   (ग) दयालु
   (घ) स्वीकार्य

(3) कवि की क्या इच्छा है?
   (क) भारत माता उसके मस्तक को स्वीकार कर ले
   (ख) वह निवेदन कर सके
   (ग) रक्त का कण–कण अर्पित कर सके
   (घ) वह गान अर्जित करना चाहता है

(4) कवि क्या विनती करता है?
   (क) भारत माता चरणों की धूल उसके भाल पर मल दे
   (ख) उसके सिर भारत माता के आशीष की छाया बनी रहे
   (ग) उपर्युक्त (क) और (ख) दोनों
   (घ) और कुछ देना

(5) कवि अंतिम पद्यांश में क्या चाह रहा है?
   (क) मोह के बंधन को तोड़ना
   (ख) देश का जयगान करना
   (ग) हाथ में देश का ध्वज थामना
   (घ) उपर्युक्त सभी काम

अथवा

पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।
पुस्तकों में है नहीं छापी गई उसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की ज़बानी।
अनगिनत राही गए इस राह से उनका पता क्या–
पर गए कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी।
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ पंथी, पंथ का अनुमान कर ले।
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।।
यह बुरा है या कि अच्छा, व्यर्थ दिन इस पर बिताना,
जे असंभव, छोड़ वह पथ, दूसरे पर पग बढ़ाना।
तू इसे अच्छा समझ, यात्रा सरल इससे बनेगी
सोच मत केवल तुझे ही, यह पड़ा मन में बिठाना।
हर सफल पंथी यही विश्वास ले इस पर बढ़ा है,
तू इसी पर आज अपने चित्त का अवधान कर ले।
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले।।

Continue on next page.....

(1) 'बटोही' शब्द का क्या पर्याय है?
(क) राह
(ख) राहगीर
(ग) बाँटना
(घ) बाँटने वाला

(2) 'छोड़ पैरों की निशानी' से क्या तात्पर्य है?
(क) महान लोगों के चरण चिन्ह
(ख) महापुरुषों के अच्छे कार्यों की यादें
(ग) सबके पैरों के निशान
(घ) पैरों की आवाज़ें

(3) किस बात के लिए दिन व्यर्थ नहीं बिताना चाहिए?
(क) हमारे लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा है?
(ख) हम अच्छा काम कैसे करें?
(ग) हमारे लिए सब कुछ करना है।
(घ) कल क्या होगा?

(4) यात्रा सरल कैसे बन सकती है?
(क) असंभव रास्ते पर चलने से
(ख) असंभव रास्ते को छोड़ दूसरे रास्ते से आगे बढ़ने से
(ग) नया रास्ता ढूँढ़ने से
(घ) थककर बैठने से

(5) काव्यांश के आधार पर स्वयं क्या करना चाहिए?
(क) अपना काम स्वयं करना चाहिए।
(ख) अपनी मर्ज़ी दूसरों पर नहीं थोपनी चाहिए।
(ग) जो मन में आए, वही काम करना चाहिए।
(घ) किसी भी कार्य को करने से पहले उसे अच्छे से समझ लेना चाहिए।

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) वह मुझसे कहता है कि मेरे घर आओ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) मिश्र वाक्य
(ख) सरल वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) निम्न में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए–
(क) क्या आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं?
(ख) इतना कहा पर वह नहीं आया
(ग) इतना कहने पर भी वह नहीं आया
(घ) दोनों में से एक ही भला आदमी है

Continue on next page.....

(3) मैं परीक्षा में सफल हो गया। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

(4) अरे! यह कितना अनर्थ है। इस वाक्य का साधारण वाक्य रूप होगा–

(क) अरे यह कितना अनर्थ है।

(ख) यह बहुत बड़ा अनर्थ है।

(ग) यह अरे कितना अनर्थ है।

(घ) कितना यह अनर्थ है।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	कॉलम 1		**कॉलम 2**
(1)	जल्दी करो वरना बहुत देर हो जाएगी।	(i)	सरल वाक्य
(2)	बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	जब सूर्योदय हुआ, तब चारों ओर रोशनी फैल गई।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	कॉलम 1		**कॉलम 2**
(1)	बढ़ई द्वारा यह अलमारी बनाई गई है।	(i)	कर्तृवाच्य
(2)	आज घूमने चलें।	(ii)	कर्मवाच्य
(3)	गर्मियों में बच्चों द्वारा खूब नहाया जाता है।	(iii)	भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

(2) उदार की उदारता इसी में है कि वह किसी को खाली हाथ न लौटाए। इस वाक्य में वाच्य है–

(क) भाववाच्य

(ख) कर्मवाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) मिश्र वाक्य

Continue on next page.....

(3) इनमें कर्मवाच्य का उदाहरण हैं–
(क) सोहन के द्वारा पौधों को पानी दिया जा रहा है।
(ख) पानी दिया जा रहा है सोहन से पौधों को।
(ग) पानी दे रहा है सोहन पौधों को।
(घ) पौधों को पानी दिया जा रहा है सोहन के द्वारा।

(4) मुझसे उनका दुख देखा नहीं जाता। इस वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
(क) मैं उनका दुख देख नहीं सकता
(ख) मेरे द्वारा उनका दुख देखा नहीं जाता
(ग) उनका दुख मैं देख नहीं पाता
(घ) मुझसे देखा नहीं जाता उनका दुख

(5) वह चुपचाप नहीं बैठ सकता। इस वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।
(क) उसके द्वारा चुपचाप बैठा नहीं जाता
(ख) उससे चुपचाप बैठा नहीं जाता
(ग) वह चुपचाप बैठ नहीं सकता
(घ) चुपचाप वह बैठ नहीं सकता

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) **पाप** से नफरत करो, पापी से नहीं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) द्रव्यवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग अपादान कारक।
(ख) समूहवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग अपादान कारक।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग अपादान कारक।
(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग अपादान कारक।

(2) राम और श्याम **दौड़ रहे हैं।** इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन।
(ख) प्रेरणार्थक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन।
(ग) द्विकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन।
(घ) सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन।

(3) उसने शादी की दावत में **ख़ूब** खाया। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण
(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

(4) **दयालु** व्यक्ति ने दुर्घटना में घायल महिला को तुरंत अस्पताल पहुँचा दिया। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन।
(ख) संज्ञा, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन।
(ग) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन।
(घ) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन।

Continue on next page.....

(5) राहुल ईमानदार लड़का है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, करण कारक।
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अपादान कारक।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) अब ना घिरत घन आनंद निदान को।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(2) नाना–रंगी जलद नभ में दीखते हैं अनूठे।
योधा मानो विविध रंग के वस्त्र धारे हुए हैं।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(3) कलियाँ दरवाजे खोल खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(4) जिस वीरता से शत्रुओं का सामना उसने किया।
असमर्थ हो उसके कथन में मौन वाणी ने लिया।।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

(5) दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही
संध्या सुंदरी परी–सी धीरे–धीरे।
इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(क) श्लेष
(ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण
(घ) अतिश्योक्ति

7. **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरु कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम–से–कम अपने बच्चों के तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ? नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने पर यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती–थरथराती रहती थी। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होगी वे, जिन्होंने आँखें मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते रहते।

(1) पिता के व्यक्तित्व में सकारात्मक पहलू न रहने के पीछे कारण थे–
   (क) निरंतर पुस्तक–पुस्तिकाओं का अध्ययन।
   (ख) समाज सुधार के कार्यों में रुचि।
   (ग) आर्थिक स्थिति और अहंकार।
   (घ) नवाबी आदतें और पत्नी के प्रति क्रोध।

(2) 'विस्फारित अहं' का अभिप्राय है–
   (क) बनावटी स्वाभिमान
   (ख) बढ़ा हुआ गरूर
   (ग) मिथ्याभिमान
   (घ) मदान्धता

(3) लेखिका की माँ के प्रति उसके पिता के क्रोध का कारण था–
   (क) बेहद क्रोधी और अहंवादी स्वभाव।
   (ख) अधूरी इच्छाएँ तथा प्रतिष्ठा गिरने का भय।
   (ग) पतनशील आर्थिक स्थिति से।
   (घ) पत्नी और संतान के बेमेल विचार।

(4) लेखिका के पिता का स्वभाव शक्की बनने का कारण था–
   (क) उनकी आर्थिक दशा।
   (ख) सकारात्मक दृष्टि न होना।
   (ग) अपनों की कृतघ्नता।
   (घ) अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ

(5) 'यातना' का समानार्थक नहीं है–
   (क) वेदना
   (ख) संवेदना
   (ग) व्यथा
   (घ) पीड़ा

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'तेरी गठरी में लागा चोर' मुसाफिर जाग ज़रा!' इस पंक्ति में मुसाफिर किसे कहा गया है?
   (क) यात्री को
   (ख) मनुष्य को
   (ग) पथिक को
   (घ) बालक को

Continue on next page.....

(2) नेताजी की मूर्ति की ऊँचाई कितनी थी?
(क) 5 फुट
(ख) 4 फुट
(ग) 3 फुट
(घ) 2 फुट

9. **निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

एक के नहीं, दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू:
एक के नहीं, दो के नहीं,
लाख–लाख कोटि–कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमाः
एक की नहीं दो की नहीं,
हजार–हजार खेतों की मिट्टी का गुण धर्मः

(1) फसल के उगने में किसका योगदान रहता है?
(क) अनेक व्यक्तियों के शारीरिक परिश्रम का
(ख) नदियों के जल का
(ग) खेतों की मिट्टी के गुणधर्म का
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) 'कोटि–कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा' से क्या अभिप्राय है?
(क) किसानों के शारीरिक परिश्रम द्वारा फसल निर्माण से
(ख) हाथों द्वारा बीजों को मिट्टी में रोपित करने से
(ग) मशीनों के स्थान पर मानव श्रम को ही महत्त्व देने से
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(3) 'एक के नहीं, दो के नहीं' पंक्ति की आवृत्ति क्यों की गई है?
(क) सामूहिकता के भाव को प्रकट करने के लिए
(ख) गणना करने के लिए
(ग) आलंकारिकता के लिए
(घ) आवृत्ति भाव उत्पन्न करने के लिए

(4) 'फसल' कविता में कवि ने किस विषय में बताया है?
(क) फसल उत्पादन में मिट्टी की गुणवत्ता के सहयोग के विषय में
(ख) प्रकृति और मानव के परस्पर सहयोग के विषय में
(ग) किसानों के परिश्रम के विषय में
(घ) फसल उत्पादन में आवश्यक कारक तत्त्वों के विषय में

(5) फसल की पैदावार किसके जादू के कारण होती है?
(क) काली–संदली मिट्टी के मिश्रण द्वारा
(ख) रासायनिक खाद द्वारा
(ग) नदियों के पानी द्वारा
(घ) चाँद की किरणों द्वारा

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) किसके गायन को सफल और प्रभावी बनाने में उसके संगतकार की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है?
(क) मुख्य गायक के
(ख) श्रोता के
(ग) छात्र के
(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) निराला जी की अधिकतर रचनाएँ ..... में मिलती हैं?
(क) रोला
(ख) मुक्तक
(ग) सोरठा
(घ) दोहा

खंड – ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए–** $(2 \times 3 = 6)$

(क) शहनाई और डुमराँव एक–दूसरे के पूरक हैं, कैसे?

(ख) सफेदपोश शब्द का अर्थ लिखकर बताइए कि रेल में सामने की बर्थ पर बैठे सज्जन खीरा खाने में संकोच क्यों कर रहे थे?

(ग) 'मानव–संस्कृति' एक अविभाज्य वस्तु है।' इस कथन को संक्षेप में समझाइए।

(घ) कार्तिक मास में बालगोबिन भगत की कौन–सी संगीत यात्रा प्रारंभ होती थी? यह संगीत यात्रा किस स्थल पर किस वक्त संपन्न होती थी?

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए–** $(2 \times 3 = 6)$

(क) 'आत्मकथा' कविता में कवि द्वारा प्रस्तुत सुखद स्वप्न को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'अयमय खाँड़ न उखमय' से क्या अभिप्राय है और यह कथन किसके लिए प्रयुक्त हुआ हैं?

(ग) गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'उत्साह' कविता में बादल को बच्चों की कल्पना के समान क्यों कहा गया है?

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए–** $4 \times 2 = 8$

(क) ऐसा कौन–सा दृश्य लेखिका ने देखा जिसने उनकी चेतना को झकझोर डाला? साना–साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर संक्षेप में लिखिए।

(ख) एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है?

(ग) 'माता का अँचल' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (6)

(क) **नोटबंदी**

संकेत बिन्दु :

- नोटबंदी की घोषणा
- लोगों की लंबी कतारें
- पक्ष और विपक्ष की टकरार
- मानवता का पुनर्जन्म।

(ख) **अपनी भाषा प्यारी भाषा**

संकेत बिन्दु :

- अपनी भाषा का परिचय
- अपनी भाषा प्यारी क्यों है?
- अन्य भाषाओं से मेल।

(ग) **स्त्री शिक्षा**

संकेत बिन्दु :

- आवश्यकता
- बढ़ते आँकड़े
- संतान तथा समाज पर प्रभाव।

15. अपने विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। (5)

अथवा

फैशन में समय और धन का अपव्यय करने वाली छोटी बहन को उसके दुष्प्रभाव समझाते हुए एक पत्र लिखिए।

16. आपका नाम अविनाश गुप्ता है। आपने मार्केटिंग में एम बी ए किया है। मार्केटिंग कम्पनी में मैनेजर के पद पर नियुक्ति हेतु अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। (5)

अथवा

अपने क्षेत्र में पार्क का निर्माण करवाने हेतु उद्यान विभाग के सचिव को ई-मेल लिखिए।

17. दिल्ली के मशहूर गोलगप्पे की दुकान का किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र में छपने योग्य विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए। (4)

अथवा

आपके भाई ने नई मोटरसाइकिल खरीदी है। लगभग 60 शब्दों में एक बधाई-संदेश लिखिए।

□□□□□□□